Parakram Diwas organized at ICAR-ATARI, Kolkata

भाकृअनुप-अटारी, कोलकाता में पराक्रम दिवस आयोजित

23 जनवरी, 2024, कोलकाता: भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती के अवसर पर आज 'पराक्रम दिवस' का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में निदेशक, उपस्थित सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, स्टाफ और परियोजना कर्मचारियों ने नेताजी की छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप डे ने भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की साहस, प्रतिबद्धता और देशभक्ति को याद किया और कहा कि नेता तो बहुत हैं, लेकिन नेताजी एक ही हैं। उन्होंने नेताजी के कथन "राष्ट्रीय पुनर्निर्माण केवल विज्ञान और हमारे वैज्ञानिकों की सहायता से ही संभव होगा" को उद्धृत किया और कहा कि हमें भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के लिए महान नेताजी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि यद्यपि 1950 के दशक में जब स्वतंत्र भारत ने पंचवर्षीय योजनाएँ शुरू कीं, तब नेताजी आसपास नहीं थे, लेकिन यह स्पष्ट है कि 1938 में नेताजी ने जिस योजना समिति की स्थापना की थी, वह इस संबंध में पथप्रदर्शक थी।

डॉ. पी.पी. पाल, प्रधान वैज्ञानिक ने "तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा" के नारे पर अपने विचार साझा किए। डॉ. अभिजीत हालदार, डॉ. कल्याण सुन्दर दास सहित कई कर्मचारियों ने आजादी की लड़ाई में नेताजी का अहम भूमिका पर प्रकाश डाला।

(*स्रोत : भाकृअनुप- कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकाता*)